मौनी अमावस्या : श्रद्धालुओं ने लगाई... 8

सांध्य दैनिक
4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
• वर्ष: 8 • अंक: 341 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, शनिवार, 21 जनवरी, 2023
मूल्य ₹ 3/-
जिद...सच की

जिस समय जिस काम के लिए प्रतिज्ञा करो, ठीक उसी समय उसे करना ही चाहिए नहीं तो लोगों का विश्वास उठ जाता है।
–स्वामी विवेकानंद

राजस्थान में सत्ता बरकरार रखने... 3
अडानी ग्रुप देश में लगाएगा 10... 7

बीबीसी डाक्यूमेंट्री ▶ फिर बाहर आया गुजरात दंगे का 'जिन्न'

कांग्रेस ने कहा-अभी भी डरे हुए हैं नरेंद्र मोदी

» सत्ता पक्ष ने बताया मोदी के खिलाफ दुष्प्रचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीबीसी के गुजरात दंगे पर बनाई गई डॉक्यूमेंट्री को लेकर एक बार फिर बवाल मच गया है। ऐसा लगता है कि 2024 के चुनाव से पहले मोदी को फिर गोधरा कांड व गुजरात दंगे के सहारे घेरने की कवायद में कांग्रेस जुटेगी। बीबीसी के इस वृतचित्र ने दबे हुए मामले को फिर गरमा दिया है। हालांकि सत्ता पक्ष इसे मोदी के खिलाफ प्रोपेगंडा बता रहा है वहीं कांग्रेस ने कहा है कि नरेन्द्र मोदी अभी भी डरे हुए हैं।

गौरतलब हो कि ब्रिटेन के नेशनल ब्रॉडकास्टर बीबीसी ने 2002 के गुजरात दंगों के दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यकाल को निशाना बनाते हुए दो-भागों की सीरीज प्रसारित की है। इस डॉक्यूमेंट्री को लेकर नाराजगी सामने आई और फिर कुछ चुनिंदा प्लेटफार्मों से इसे हटा दिया गया। भारतीय मूल के ब्रिटेन के नागरिकों ने इस सीरीज की निंदा की। प्रमुख यूके नागरिक लॉर्ड रामी रेंजर ने कहा कि बीबीसी ने एक अरब से अधिक भारतीयों को आहत किया है। बीबीसी की पक्षपाती रिपोर्टिंग की निंदा करते हुए रामी ने ट्वीट किया, बीबीसी आपने एक अरब से अधिक भारतीयों को बहुत आहत किया है। इससे लोकतांत्रिक रूप से चुने गए प्रधानमंत्री , भारतीय पुलिस और भारतीय न्यायपालिका का अपमान किया गया है। हम दंगों और जानमाल के नुकसान की निंदा करते हैं और साथ ही आपकी पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग की निंदा करते हैं।

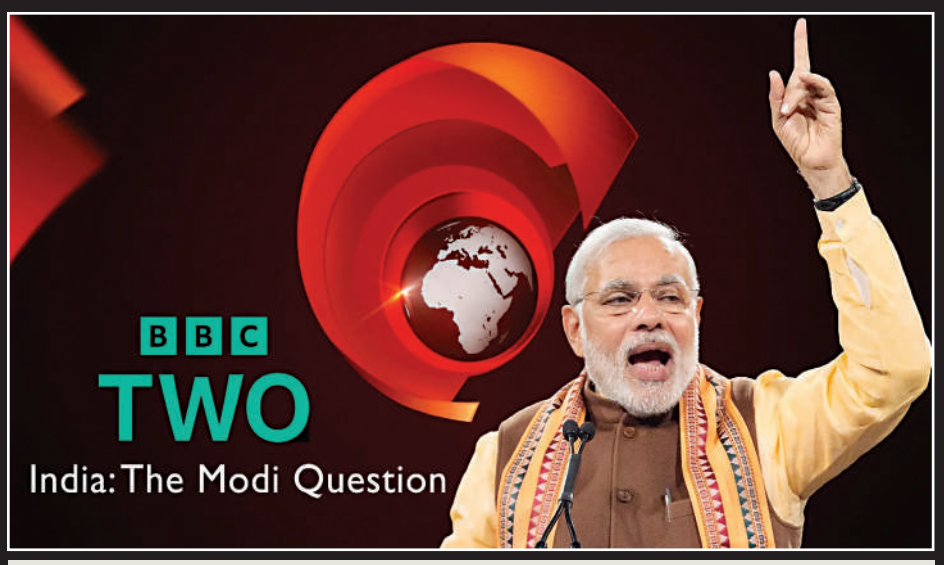

डॉक्यूमेंट्री को ब्लॉक करना कायरतापूर्ण : वेणुगोपाल

विवादित डॉक्यूमेंट्री पर अब देश की मुख्य विपक्षी कांग्रेस ने भी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के महासचिव संगठन के सी वेणुगोपाल ने कहा कि 21 साल बाद 2002 के बारे में सच्चाई सामने आने से नरेंद्र मोदी अभी भी डरे हुए हैं। वेणुगोपाल ने कहा कि डॉक्यूमेंट्री को ब्लॉक करना एक कायरतापूर्ण और अलोकतांत्रिक कार्य है। यह स्पष्ट रूप से मोदी के तानाशाही रवैये को दर्शाता है। टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि उन्होंने जो बीबीसी डॉक्यूमेंट्री पोस्ट की थी, उसे उम्मीद के मुताबिक यूट्यूब से हटा दिया गया है। आगे कहा कि देखते हैं कि बीजेपी इसे और कितनी बार डिलीट करवाती है।

विदेश मंत्रालय ने बताया प्रोपेगेंडा

विदेश मंत्रालय ने भी बीबीसी की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि यह पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण है। केंद्र सरकार ने गुजरात दंगों पर ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कार्पोरेशन की डॉक्यूमेंट्री को प्रोपेगेंडा का हिस्सा बताया। सरकार ने कहा कि वह ऐसी फिल्म का महिमामंडन नहीं कर सकती। सरकार की ओर से कहा गया कि पीएम पर बीबीसी की डॉक्यूमेंटी दुष्प्रचार, पक्षपाती और औपनिवेशक मानसिकता को दर्शाती है और हम नहीं जानते कि इसके पीछे का एजेंडा क्या है? विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी पर हाल ही में प्रसारित बीबीसी डॉक्यूमेंट्री, दुष्प्रचार का हिस्सा है जो वर्ष 2002 के गुजरात दंगों के दौरान उनके नेतृत्व पर सवाल उठाती है।

बीबीसी की सफाई

उधर बीबीसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपनी विवादास्पद डॉक्यूमेंट्री का बचाव किया। बीबीसी के एक प्रवक्ताा ने कहा कि यह एक गंभीरता से शोध की गई डॉक्यूमेंट्री है जिसमें अहम मुद्दों को उजागर करने की कोशिश की गई है। डॉक्यूमेंट्री पर उच्चतम संपादकीय मानकों के अनुसार गहन शोध किया गया था।

ब्रिटिश पीएम ने किया किनारा

ब्रिटिश संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बचाव करते हुए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने खुद को बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री सीरीज से यह कहते हुए अलग कर लिया कि वे अपने भारतीय समकक्ष के बारे में किए गए चित्रण से सहमत नहीं हैं। सुनक ने यह टिप्पणी पाकिस्तानी मूल के सांसद इमरान हुसैन द्वारा ब्रिटिश संसद में विवादास्पद डॉक्यूमेंट्री पर उठाए गए सवाल पर की। ऋषि सुनक ने बीबीसी की रिपोर्ट पर इमरान हुसैन के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि इस पर यूके सरकार की स्थिति स्पष्ट और लंबे समय से तय है, और इसमें कोई बदलाव नहीं है।

भारत जोड़ो यात्रा से पहले जम्मू में ब्लास्ट

» पांच से अधिक लोग घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू के नरवाल इलाके में लगातार सीरियल ब्लास्ट हुए हैं। इसकी चपेट में आने से छह से अधिक लोगों के घायल होने की सूचना है। धमाके की सूचना के बाद मौके पर एसएसपी समेत अन्य एजेंसियों के अधिकारी पहुंच गए हैं।

ज्ञात हो कि गणतंत्र दिवस और राहुल गांधी की यात्रा के चलते जम्मू संभाग में सुरक्षा कड़ी है। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया है। डीआईजी शक्ति पाठक ने भी पूरे इलाके का दौरा किया। एडीजी पुलिस मुकेश सिंह ने स्थानीय लोगों और पुलिस अधिकारियों से घटना की जानकारी ली। स्थानीय लोगों के मुताबिक नरवाल इलाके के ट्रांसपोर्ट नगर के यार्ड नंबर सात और नौ पर धमाके हुए। पुलिस मौके पर खड़े सभी वाहनों को वहां से हटवा रही है। बताया जा रहा है इलाके में कई जगहों पर बड़ी मात्रा में कबाड़ एकत्र किया गया है। इसके बीच में ही धमाके हुए हैं जिसकी चपेट में आने के कारण ही लोग जख्मी हुए हैं। एडीजी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। धमाके के बाद पूरे इलाके में जांच जारी है।

लाल चौक पर यात्रा का विरोध

श्रीनगर। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के कश्मीर में दाखिल होते ही विरोध शुरू हो गया है। लाल चौक में स्थानीय युवाओं ने राहुल गांधी गो बैक के नारे लगाते हुए यात्रा के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रशासन से यात्रा पर पाबंदी लगाने की मांग की है। जम्मू में राहुल की यात्रा को दूसरा दिन है। यात्रा का समापन समारोह 30 जनवरी को शेर-ए-कश्मीर क्रिकेट स्टेडियम श्रीनगर में होगा। नेशनल कान्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी भी भारत जोड़ो यात्रा का समर्थन कर रही है। नेकांध्यक्ष डा फारूक अब्दुल्ला वीरवार को भारत जोड़ो यात्रा का स्वागत करने लखनपुर पहुंचे थे। लाल चौक प्रदर्शनकारियों में शामिल एक युवक ने कहा कि राहुल की ये यात्रा सिर्फ राजनीतिक ड्रामा है। यह आम हिंदुस्तानियों या हम कश्मीरियों के लिए नहीं है। कांग्रेस पूरी तरह खत्म हो रही है। उसे बचाने के लिए ही राहुल गांधी यात्रा निकाल रहे हैं। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा कि राहुल को यात्रा उस समय याद क्यों नहीं आई जब यहां चारों तरफ आतंकियों की बंदूक का राज था। निर्दोष लोग मारे जा रहे थे। कांग्रेस ने कई वर्ष केंद्र में हुकूमत की है।

सरकारी विज्ञापनों में है सिर्फ किसान हित की बातें : अखिलेश

» बोले- तीन महीने बाद भी गन्ना मूल्य नहीं हुआ घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। किसानों को लेकर पूर्व सीएम व सपा मुखिया एक बार फिर भाजपा सरकार पर बिफरे। उन्होंने कहा कि सरकार ने अब तक गन्ना मूल्य घोषित नही केया जबकि तीन माह बीत चुके।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में किसान बदहाली में जीने को मजबूर हैं। भाजपा सरकार को किसानों की दिक्कतों, परेशानियों की कोई चिंता नहीं है। किसानों के साथ किए गए भाजपा के सभी वादे झूठे निकले हैं। किसान हित की बातें सिर्फ सरकारी विज्ञापनों में छपी दिखती हैं। अखिलेश ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा सरकार के तमाम दावों के बावजूद धान की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर नहीं हुई है। किसान को अपनी फसल औने-पौने दाम पर बिचौलियों के हाथों बेचना पड़ा है। गन्ना किसानों की दुर्दशा तो भाजपा राज में सबसे ज्यादा है। गन्ना पेराई सत्र शुरू हुए तीन महीना हो चुका है। वर्ष 2022-23 का गन्ना मूल्य अभी तक घोषित नहीं किया गया है।

120 मिलों से जुड़े 60 लाख से ज्यादा किसान परेशान

प्रदेश में चल रही 120 चीनी मिलों से जुड़े 60 लाख से ज्यादा किसानों को आर्थिक परेशानी उठानी पड़ रही है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार हर काम चुनाव के लाभ हानि की नजर से करती है। गन्ना किसानों को भी भाजपाई राजनीति का शिकार बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था। वर्ष 2022 बीत गया पर भाजपा नेतृत्व को अपने वादे की याद नहीं आई। गरीबों-किसानों के प्रति भाजपा की हमदर्दी केवल दिखावटी और जुमलों तक सीमित है।

तमिलनाडु उपचुनाव

टीएमसी, अन्नाद्रमुक का कांग्रेस से किनारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इरोड। तमिलनाडु में 27 फरवरी को इरोड विधानसभा उपचुनाव के लिए सभी पार्टियों की तैयारी जोरों पर है। इस विधानसभा सीट पर इसबार कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है। इस उपचुनाव को एआईडीएमके के अंतरिम महासचिव पलानीस्वामी के लिए एक प्रमुख परीक्षा का समय माना जा रहा है और अगर एआईडीएमके कांग्रेस से यह सीट छीन लेती है, तो वह आने वाले दिनों में एक प्रमुख शक्ति केंद्र में बदल सकते हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस बार भी आईएडीएमके ने कांग्रेस के पूर्व नेता और तमिल मनीला कांग्रेस (टीएमसी) के संस्थापक जी के वासन की पार्टी को समर्थन करने का एलान कर दिया है। जी के वासन की पार्टी एआईडीएमके के साथ मिलकर ही चुनाव लड़ेगी। हालांकि अभी उम्मीदवार का नाम तय नहीं हुआ है।

एआईडीएमके के अंतरिम महासचिव के पलानीस्वामी ने वासन का समर्थन सुनिश्चित किया और उसी दिन उपचुनाव में अपनी पार्टी के उम्मीदवार के लिए समर्थन बढ़ाने के लिए भाजपा को सूचित किया। मोदककुरिची विधानसभा क्षेत्र से जीतने वाली भाजपा, जो इरोड लोकसभा सीट में भी आती है। लेकिन अब भाजपा के लिए असमंसज यह है कि वह चाहकर भी अपना उम्मीदवार नहीं उतार सकती।

माफियाराज से भाजपा दिला सकती है मुक्ति : जेपी नड्डा

» गाजीपुर में जनता से लोस चुनाव में जीताने की भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। वीरभूमि गाजीपुर से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने लोकसभा चुनाव-2024 में फतह के लिए शंखनाद कर दिया। पूर्वांचल की नब्ज टटोलने के लिए मैदान में उतरे नड्डा ने माफिया मुख्तार अंसारी पर निशाना साधकर प्रखर हिंदुत्व को धार दी। वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ का दर्शन-पूजन किया, फिर गाजीपुर जाकर पौहारी बाबा का आशीर्वाद लिया।

इसके बाद वीर अब्दुल हमीद, महाराजा सोहेलदेव और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का नाम लेकर सामाजिक समीकरण भी साधा है। भाजपा ने पिछले लोकसभा चुनाव की हारी व कमजोर सीटों को मजबूत बनाने का लक्ष्य तय किया है। 2019 के चुनाव में भाजपा को गाजीपुर व उससे सटे घोसी (मऊ) में हार का सामना करना पड़ा था। इसी का नतीजा रहा कि नड्डा ने मोदी-योगी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। साथ ही माफियाराज से मुक्ति दिलाने का भरोसा दिलाया और आगामी लोकसभा चुनाव में जीत का आशीर्वाद मांगा। साफ संदेश दिया कि विकास की रफ्तार थमने नहीं पाएगी।

कांग्रेस के बिना नहीं हो सकता मजबूत विपक्ष : तारिक

» बोले-भजपा के खिलाफ लड़ना है तो सबको साथ आन होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति ने खम्मम में एक जनसभा का आयोजन किया गया। इसमें कई बड़ नेता शामिल हुए थे। उस रैल के बाबत कांग्रेस के महासचिव तारिक अनवर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के बिना भाजपा के खिलाफ लड़ने के लिए एक मजबूत विपक्ष तैयार नहीं हो सकता है।

गौरतलब हो कि इस बैठक में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, उनके केरल समकक्ष पिनाराई विजयन, भाकपा महासचिव डी राजा और समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव सहित कई नेताओं ने भाग लिया। इस बैठक में 2 या 3 मुख्यमंत्री ने हिस्सा लिया। अनवर में कहा कि कांग्रेस के बिना एक मजबूत विपक्ष तैयार नहीं हो सकता, क्योंकि कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है। यह हर राज्य में मौजूद है। इन परिस्थितियों में अगर कोई अलग से एक समूह बनाने की कोशिश करता है, तो मैं समझता हूं कि इससे विपक्ष कमजोर होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का विचार है कि सभी विपक्षी दल एक साथ आएं और कांग्रेस पार्टी इसके लिए प्रयास भी करती आई है। हालांकि, कुछ दल ऐसे भी हैं जो विपक्ष में होते हुए भी केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को समर्थन देने की कोशिश करते रहते हैं।

ओवैसी की पार्टी भाजपा की बी टीम

अनवर ने आरोप लगाया कि असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा की बी टीम के रूप में काम कर रही है और केजरीवाल और ओवैसी का काम उत्तर भारत में धर्मनिरपेक्ष वोटों को विभाजित करना है। वहीं, उन्होंने केसीआर पर भी तीखा हमला करते हुए कहा कि पिछले 8 सालों से केसीआर कांग्रेस को कमजोर करने में जुटे हैं। माना जाता है कि उत्तर भारत में कांग्रेस को कमजोर करने का काम आम आदमी पार्टी को दिया गया है और दक्षिण में यह काम केसीआर को दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि देश में तीसरे मोर्चे की कोई जरूरत नहीं है। केवल देश में भाजपा विरोधी मोर्चा ही हो सकता है। केसीआर पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि जब साल 2014 में केसीआर सत्ता में आए तब तेलांगाना में दस हजार करोड़ रूपये का राजस्व अधिशेष था जो कि अब बढ़कर 5 लाख राजस्व अधिशेष पहुंच चुका है।

5 टिरलियन अर्थव्यवस्था का लक्ष्य

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

जम्मू-कश्मीर को मिले पूर्ण राज्य का दर्जा : जयराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि मुझे लगता है कि जम्मू और कश्मीर को जल्द से जल्द पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाना चाहिए। 5 अगस्त 2019 को जो किया गया वह जम्मू और कश्मीर के लोगों का घोर अपमान था, जो दशकों से भारत के साथ हैं।

जयराम रमेश ने यह भी बताया कि विशेष दर्जा केवल जम्मू और कश्मीर तक ही सीमित नहीं था, क्योंकि भारत में कई राज्य हैं जिन्हें संविधान के अनुच्छेद 371 के तहत विशेष दर्जा प्राप्त है। सुरक्षा चिंताओं के कारण जम्मू-कश्मीर में यात्रा का एक बड़ा हिस्सा बस से पूरा किया जाएगा। मार्च सितंबर में कन्याकुमारी में देश के दक्षिणी सिरे से शुरू हुआ और 125 दिनों में लगभग 3,400 किमी की यात्रा की। यात्रा श्रीनगर में एक विशाल रैली के साथ समाप्त होने वाली है, जिसमें लगभग दो दर्जन राष्ट्रीय दलों के नेताओं के भाग लेने की उम्मीद है। रमेश ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य राजनीति की पुनर्कल्पना करना और राहुल गांधी की सार्वजनिक छवि को बदलना है।

A leading term of sale & utility services
G.K.TRADERS
Sales & Services

HAVELLS
RR KABEL WIRES & CABLES
PHILIPS
USHA

Havell's, RR Switch, CAP, USHA PUMP & FAN,
Phillips and all kind of Electrical Goods.
G.K.TRADERS
Sales & Services
TAKHWA, VIRAJ KHAND-5, Gomti Nagar, Lucknow -226010
Contact : 9335016157, 9305457187

राजस्थान में सत्ता बरकरार रखने को कांग्रेस बेकरार!

भारत जोड़ो पदयात्रा समाप्त होने के बाद 27 जनवरी से प्रदेश कांग्रेस हाथ जोड़ो अभियान चलाएगी

रणनीति पर मंथन शुरू, गांव-गांव पहुंचेगा राहुल का पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान मे इसी वर्ष विधानसभा चुनाव है। राज्य में इस समय कांग्रेस की सरकार है, जिसके मुख्यमंत्री अशोक गहलोत हैं। कांग्रेस वहां पर अपनी सत्ता बनाए रखना चाहती है। पर जिस तरह सचिन पायलट अपनी की सकार को घरने में लगे हैं, उससे तो ऐसा ही लगता हैं कि आने वाला दिनों में राज्य में कांग्रेस की मुश्किले बढ़ सकती हैं और इसका असर चुनावों पर भी पड़ सकता है। कांग्रेस में नेतृत्व का असमंजस बना हुआ है। सचिन और गहलोत के खेमे में कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि सबकुछ अच्छा है पर कभी ऐसा हो जाता है कि लगता है कांग्रेस के अंदरखाने में सब ठीक नहीं चल रहा।

हालांकि चुनावी वर्ष को लेकर कांग्रेस ने कार्य शुरू कर दिया है। इसके बावजूद नेतृत्व के स्तर पर स्थितियां साफ नहीं होने से कांग्रेस में अंदरूनी स्तर पर असमंजस और खींचतान बनी हुई है। राजस्थान में दिसंबर महीने में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी पूरी तरह चुनावी मूड में लग रही है। प्रदेश में 18 दिनों तक चली राहुल गांधी की भारत जोड़ो से के नए प्रदेश प्रभारी बने सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पद संभालते ही प्रदेश कांग्रेस में लम्बे समय से रिक्त पड़े संगठन के पदों पर नियुक्तियां करवानी प्रारंभ करवा दी है। जिससे कांग्रेस संगठन में हलचल होने लगी है। लम्बे समय से सुस्त पड़े कांग्रेस कार्यकर्ता भी अब तरोताजा लग रहे हैं। प्रदेश प्रभारी रंधावा ने जहां प्रदेश कांग्रेस के रिक्त पड़े सभी 400 ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों में से अधिकांश ब्लॉक अध्यक्षों का मनोनयन करवा दिया है। वहीं पहली बार मंडल इकाई का भी गठन करवाया जा रहा है। यह कांग्रेस में एक नई शुरुआत है। इससे बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को संगठन में पदाधिकारी बनाया जा सकेगा।

जिससे कार्यकर्ता पार्टी प्रत्याशी के साथ जुट कर चुनाव में काम करेंगे। राहुल गांधी की भारत जोड़ो पदयात्रा समाप्त होने के बाद 27 जनवरी से प्रदेश कांग्रेस कमेटी एक नया कार्यक्रम हाथ जोड़ो अभियान चलाएगी।

सचिन और गहलोत दोनों हैं जरूरी

कांग्रेस में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच लड़ाई जगजाहिर हो चुकी है। दोनों की यह लड़ाई जुलाई 2020 में हुई बगावत के बाद से लगातार चल रही है। वहीं 25 सितम्बर 2022 को हुई इस्तीफा पॉलिटिक्स के बाद यह और गहरा गई। पार्टी आलाकमान ने इस मसले पर अभी तक कोई निर्णय नहीं किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पार्टी के लिये गहलोत और पायलट दोनों को जरूरी बता रहे हैं। अशोक गहलोत 2023 के अंत तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे या चुनाव से पहले सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाया जायेगा। यह स्थिति अभी साफ नहीं हुई है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि पार्टी इस असमंजस के हालातों में ही खुद को सबसे बेहतर स्थिति में देख रही है। कांग्रेस में ऊपरी स्तर पर खींचतान और असमंजस की स्थिति का असर नीचे के स्तर पर नेताओं और कार्यकर्ताओं पर पड़ रहा है। चुनावी साल में जिम्मेदारियों को लेकर नेता असमंजस में हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को लगता है कि अब भी मुख्यमंत्री बदला जा सकता है। अगर मुख्यमंत्री नहीं बदलता है तो पार्टी प्रदेशाध्यक्ष व चुनाव प्रचार कमेटी के अध्यक्ष का पद पायलट खेमे के पास जा सकता है। ऐसे में पार्टी कार्यकर्ता किसके नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे इसको लेकर उहापोह की स्थिति में नजर आ रही है जो पार्टी के हित में नहीं है।

राहुल गांधी के भाषण-नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलिए को घर-घर पहुंचाएंगे

नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोल रहा हूं। आइए आप भी बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलिए। राहुल गांधी के भाषण की इन लाइनों को अब प्रदेश कांग्रेस कमेटी घर-घर पहुंचाने का काम करेगी। इसके लिए पार्टी ने काम शुरू कर दिया है। कांग्रेस पदाधिकारी घर-घर जाएंगे और लोगों से सीधे बात करेंगे। राहुल गांधी का व्यक्तिगत पत्र प्रदेश के हर घर में पहुंचाने के लिए पार्टी पदाधिकारियों को टास्क दे दिया गया है। अगले दो महीने में प्रदेश के हर कोने तक राहुल गांधी के इस संदेश को लोगों को तक पहुंचाया जाएगा। इस अभियान की निगरानी के लिए प्रदेश में वरिष्ठ नेताओं को पर्यवेक्षकों बनायाा गया है। इस कार्यक्रम के लिये आयोजित होने वाली पदयात्रा दो महीने तक गांवों में रहेगी। एक महीने में सभी पॉलिंग बूथ कवर किए जाएंगे। हर गांव में मीटिंग होंगी। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर संदेश लेकर जाएंगे। पत्र में राहुल गांधी के संदेश के साथ मोदी सरकार की नाकामियां भी बतायी जायेंगी। गांवों में यात्रा का वीडियो भी दिखाया जाएगा। हर गांव के ग्रुप भी बनेंगे। गांवों में युवक कांग्रेस व एनएसयूआई बाइक रैली निकालेंगी। जिला स्तर पर कार्यकर्ता मेला लगाया जाएगा।

बजट में दिखेगा चुनाव का असर

राजस्थान का बजट भी इस बार अलग हट कर होगा। राजस्थान में सरकारी कर्मचारियों के लिये फिर से पुरानी पेंशन योजना लागू करने के बाद कांग्रेस शासित व अन्य कई राज्यों ने भी इस योजना को लागू करने की घोषणा कर दी है। इसके अलावा आने वाले बजट में प्रदेश को बहुत कुछ खास मिलने वाला है। कांग्रेस का बजट आम आदमी का बजट होता है। राहुल गांधी की यात्रा के दौरान राजस्थान सरकार द्वारा गरीब परिवारों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने की घोषणा की जा चुकी है। चुनावी वर्ष में प्रशासन को भी और अधिक सक्रिय किया जा रहा है। सियासी तापमान नापने के लिए सभी जिला कलेक्टर और मंत्री भी जल्द ही गांव-कस्बों में महीने में दो बार जन सुनवाई कर रात्रि चौपाल लगाएंगे। चुनावी वर्ष में गुड गवर्नेंस को प्रभावी बनाने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर ऐसा होने जा रहा है। जिलों में जहां भी संभव होगा मंत्रियों-कलेक्टरों की मीटिंग्स को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जयपुर स्थित सचिवालय से भी जोड़ा जाएगा। जिससे समस्याओं को हाथों-हाथ ही निपटाया जा सके।

बड़ा सवाल! चुनाव के बाद एकजुट रहेंगे सब

- विस-लोस चुनाव पर सबकी नजर
- पूर्ण बहुमत न मिलने पर क्या होगा
- विपक्ष का कौन बनेगा चेहरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के लिए तेईस और चौबीस चुनावों का वर्ष है। जहां 2023 में नौ राज्यों में चुनाव होने हैं वहीं 2024 में लोकसभा के आम चुनाव होना है। त्रिपुरा, नागालैंड व मेघालय में चुनावों की तारीख घोषित हो चुकी है। घोषणा होते ही सभी राजनैतिक दल अपनी-अपनी चुनावी बिसात बिछाने में जुट गए है। जहां केंद्र की भाजपा सरकार ने कार्यकारिणी बैठक कर अपनी रणनीति के तहत कार्यकर्ताओं को तैयार करन शुरू कर दिया है।

वहीं विपक्ष ने भी अपनी तलवारें म्यानों से निकाल कर उनको धार देना शुरू कर दिया है। उसकी के तहत तेलंगाना में केसीआर ने एक बड़ी रैली की जिसमें सपा, आप, माकपा समेत कई अन्य दलों के नेताओं ने भगा लिया। प्रश्न यह है कि चुनावों के बाद अगर किसी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलता है और कोई पार्टी बड़ी बनकर उभरती है, फिर क्या होगा? क्या वे दल जो चुनाव से पहले एक थे वो एक रह पाएंगे या अपने विरोधी विचार धारा के साथ चले जाएंगे। नया वर्ष शुरू होते ही राजनीतिक दलों की सरगर्मियां भी नए मोड पर आने लगी हैं। क्योंकि इस वर्ष 9 राज्यों- मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, तेलंगाना, त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड और मिजोरम में विधानसभा चुनाव होने हैं एवं अगले वर्ष लोकसभा के चुनाव होने हैं।

गठजोड़ की राजनीति भी रही कारगर

वर्ष 1977 के बाद से गठजोड़ की राजनीति का गवाह रहे देश ने कई समीकरण बनते-बिगड़ते देखे हैं। कभी भाजपा का चौधरी चरण सिंह से गठजोड़, तो कभी कांग्रेस को रोकने के लिए वीपी सिंह के नेतृत्व में भाजपा और वाम दलों का परोक्ष रूप से हाथ मिलाना। भाजपा ने उत्तर प्रदेश में बसपा के साथ मिलाकर सरकार बनाई और जम्मू-कश्मीर में महबूबा मुफ्ती के साथ मिलकर भी सरकार चलाई। पिछले लोकसभा चुनाव में शिवसेना, जनता दल-यू और अकाली दल के साथ मिलकर चुनाव लड़ी भाजपा बदले समीकरणों में अगला चुनाव इनके खिलाफ लड़ सकती है। लेकिन, चिंता इस बात की है कि ऐसे बनते-बिगड़ते समीकरणों का सीधा मकसद विचारधारा का आधार नहीं, बल्कि सत्ता में भागीदारी करना भर रह गया है। राजनीतिक मूल्यों एवं लोकतंत्र को मजबूती देने का लक्ष्य किसी के भी सामने दिखाई नहीं देता। गठबंधन की राजनीति की शुरुआत में ही टूटन एवं निराशा के बादल छाये हैं।

राष्ट्रीय दल व क्षत्रप हो रहे संगठित

विपक्षी दलों का उत्साह एवं जोश सत्ता पक्ष से कम नहीं है। केन्द्रीय एवं राष्ट्रीय राजनीति में एक बार फिर राष्ट्रीय दल व क्षत्रप संगठित होते दिख रहे हैं। छोटे-से-छोटा दल भी यह माने बैठा है कि हम ही सत्ता प्राप्ति में संतुलन बिठायेंगे। सरकार कोई बनाए हम कुछ सीटों के आधार पर ही सत्ता की कुर्सी पर जा बैठेंगे। चुनावी गणित जिस प्रकार से बनाने के प्रयास हो रहे हैं, उसमें क्या तीसरी शक्ति निर्णायक बनने की मुद्रा में आ सकेगी? राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का भी इन चुनावों में असर देखने को मिल सकता है। भाजपा की कार्यकारिणी बैठक ऐसे समय हुई है, जब 2024 के लोकसभा चुनाव ज्यादा दूर नहीं हैं, साथ ही उससे पहले नौ राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने हैं। इनमें से पांच राज्यों में बीजेपी या तो अकेली या सहयोगी दलों के साथ सरकार में है। पिछले वर्ष जिन दो राज्यों में विधानसभा चुनाव सम्पन्न हुए हैं, उसमें कोई दो राय नहीं कि गुजरात में पार्टी ने ऐतिहासिक जीत हासिल की, लेकिन हिमाचल प्रदेश में एक फीसदी की जो कसर रह गई, उससे कांग्रेस के हौसले बुलंद हुए हैं। विपक्ष संगठित हो, अच्छी बात है लेकिन इससे राष्ट्र और राष्ट्रीयता के अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह नहीं लगने चाहिए। राहुल की भारत जोड़ो यात्रा क्या राजनीतिक दलों को जोड़ पायेगी? नजरें उनकी इस यात्रा में शामिल होने वाले राजनीतिक दलों पर भी लगी हैं, लेकिन ऐसा कोई दल अभी तक तो सामने नहीं आया है। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने आगामी चुनावों में अकेले लड़ने का ऐलान कर पार्टी की रणनीति साफ कर दी है, वहीं कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा के समापन पर 30 जनवरी को विपक्षी दलों को आमंत्रण देकर नए सिरे से विपक्षी एकता की ताकत आंकने का पासा फेंका है। इतना ही नहीं, दूसरे छोटे-बड़े राजनीतिक दल भी अपने राजनीतिक फायदे के लिए गठजोड़ की राजनीति के गुणा भाग में व्यस्त हो गए हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

पद और भाषा की मर्यादा का सवाल

लोकतंत्र की ताकत यही है कि इसमें नेताओं से लेकर व्यवस्था से जुड़े लोग और नागरिकों तक को विचार और अभिव्यक्ति की आजादी संविधान देता है। लेकिन इस अधिकार के साथ इसकी गरिमा का ख्याल रखने की जिम्मेदारी भी लोगों की ही है। अगर इस सुविधा को बेलगाम बोली और बर्ताव की छूट के तौर पर देखा जाएगा तो इस पर सवाल उठेंगे। खासतौर पर किसी जिम्मेदार पद पर बैठा कोई जनप्रतिनिधि अथवा संवैधानिक व्यवस्था से जुड़ा व्यक्ति इस अधिकार की गरिमा कायम रखने के बजाय मर्यादा का ख्याल रखना जरूरी न समझे, तो यह एक चिंताजनक स्थिति है। इसमें कोई दो राय नहीं कि दिल्ली के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री के पास यहां के शासन को संचालित करने के लिए पद से जुड़े कई अधिकार हैं। लेकिन उनके साथ ही उपराज्यपाल हो या फिर कोई जनप्रतिनिधि सभी को अपने पद और उसकी मर्यादा को बनाए रखना भी उनकी नैतिक जिम्मेदारी है। इसके उलट देश में हालत यह है कि कहीं राज्यपालों द्वारा सरकारों के कामकाज से जुड़ी प्रक्रिया में अड़चन खड़ी की जाती है तो इस पर विचार करने के बजाय रार को नाहक बढ़ाया जाता है। जबकि उनके पद और कद को देखते हुए यह स्थिति खुद उनकी ही गरिमा को कठघरे में खड़ा करती है!

गौरतलब है कि दिल्ली ही नहीं कई राज्यों से सरकारी कामकाज में राज्यपालों की ओर से कथित हस्तक्षेप की बातें सामने आती रहती हैं। मुख्यमंत्री अपने नेतृत्व में जुलूस से लेकर तथाकथित हस्तक्षेप पर धरना तक देते रहे हैं। जिसे मुख्यमंत्री की मर्यादा के अनुकूल नहीं कहा जा सकता, मगर राज्यपाल की सामंती मानसिकता भी उनके पद के अनुकूल नहीं है। चुनी हुई सरकार के कामकाज में कथित हस्तक्षेप कदापि उचित नहीं है। ऐसे में शब्दों की मर्यादा भी टूटती है और कार्य में अड़चन से जनता का नुकसान भी होता है। दिल्ली सरकार के हर फैसले को उपराज्यपाल की सहमति से गुजरना होगा यह तो शायद निर्धारित प्रक्रिया नहीं होगी। अगर इसमें किसी तरह की अड़चन है तो इस पर विचार या इसका हल भी व्यवस्था के दायरे में समय से हो जाना चाहिए। ताकि संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों पर उंगली न उठाई जा सके। उन्हें अपने पद की गरिमा और मर्यादा का ख्याल और सम्मान तो बनाए रखना ही होगा। मर्यादा पद की हो या फिर भाषा की उसका गिरना लोकतंत्र के हक में कतई नहीं कहा जा सकता। सामान्य जनजीवन में भी सभी लोगों से सभ्य और शिष्ट व्यवहार और भाषा की अपेक्षा होती है। इसी तरह व्यवस्था और सत्ता के ढांचे में पद की गरिमा के अनुकूल बर्ताव की मर्यादा से ही लोकतंत्र और व्यवस्था की मजबूती होगी।

“ खासतौर पर किसी जिम्मेदार पद पर बैठा कोई जनप्रतिनिधि अथवा संवैधानिक व्यवस्था से जुड़ा व्यक्ति इस अधिकार की गरिमा कायम रखने के बजाय मर्यादा का ख्याल रखना जरूरी न समझे, तो यह एक चिंताजनक स्थिति है। इसमें कोई दो राय नहीं कि दिल्ली के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री के पास यहां के शासन को संचालित करने के लिए पद से जुड़े कई अधिकार हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

गरीबों की आर्थिक सेहत कब सुधरेगी?

योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में अमीरी और गरीबी के बीच खाई निरन्तर बढ़ती जा रही है, जो कोरोना काल के बीच और तेजी से बढ़ी है। इसी बढ़ती खाई को लेकर पूरी दुनिया में एक नई बहस छिड़ी है। गरीबी उन्मूलन के लिए कार्यरत संस्था ऑक्सफैम इंटरनेशनल की वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक से ठीक पहले आई रिपोर्ट 'सर्वाइवल ऑफ द रिचेस्ट द इंडिया स्टोरी' में इसे लेकर कई चौंका देने वाले खुलासे किए गए हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत के 21 सबसे अमीर अरबपतियों के पास इस समय देश के 70 करोड़ लोगों से भी ज्यादा धन-दौलत है और वर्ष 2021 में भारत की कुल संपत्ति में से 62 फीसदी हिस्से पर देश के केवल 5 प्रतिशत लोगों का ही कब्जा था जबकि भारत की निचले तबके की बहुत बड़ी आबादी का देश की केवल तीन फीसदी सम्पत्ति पर ही कब्जा रहा। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2020 में अरबपतियों की संख्या 102 थी, जो 2022 में 166 पर पहुंच गई पिछले साल नवम्बर तक भारतीय अरबपतियों की सम्पत्ति में 121 फीसदी तक बढ़ोतरी देखी गई।

एक ओर जहां आम आदमी कोरोना महामारी के दौर में पेट भरने का जुगाड़ करने के लिए संसाधन जुटाने को तरसता रहा, नौकरी संबंधी समस्याओं का सामना करता रहा, वहीं उस दौर में भी भारत के अरबपतियों की दौलत में प्रतिदिन 3608 करोड़ रुपये प्रतिदिन बढ़े। ऑक्सफैम की इस रिपोर्ट में पिछले दस वर्षों में देश में पैदा हुई सम्पत्ति के गैर-बराबर बंटवारे के मुद्दे को भी उठाते हुए कहा गया है कि 2012 से 2021 के बीच भारत में जितनी भी संपत्ति अस्तित्व में आई, उसका 40 प्रतिशत हिस्सा देश के सबसे अमीर एक फीसदी लोगों के हाथ में गया जबकि 50 फीसदी जनता के हाथ में केवल तीन फीसदी सम्पत्ति ही आई। रिपोर्ट के अनुसार भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की सम्पत्ति 54.12 लाख करोड़ रुपये के पार जा चुकी है, जिससे 18 महीनों तक देश का पूरा बजट चलाया जा सकता है। यही कारण है कि सरकार को सलाह दी जाती रही है कि यदि भारतीय अरबपतियों की कुल सम्पत्ति पर महज दो फीसदी टैक्स ही लगा दिया जाए तो उसी से आगामी तीन वर्षों तक कुपोषण के शिकार बच्चों की सभी जरूरतों को बहुत आसानी से पूरा किया जा सकता है।

1980 के दशक की शुरुआत में एक फीसदी धनाढ्यों का देश की कुल आय के छह फीसदी हिस्से पर ही कब्जा था लेकिन बीते वर्षों में यह लगातार बढ़ता गया है और तेजी से बढ़ी आर्थिक

असमानता के कारण स्थिति बिगड़ती गई है। वैसे तो पिछले कुछ वर्षों से लगातार यह तथ्य सामने आ रहे हैं कि देश की आधी सम्पत्ति देश के चंद अमीरों की तिजोरियों में बंद है और अमीर-गरीब के बीच खाई निरन्तर गहरी हो गई है लेकिन बढ़ती आर्थिक असमानता को लेकर स्थिति अब और भी बदतर होती जा रही है और यह केवल भारत की ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया की समस्या है। कटु सत्य यही है कि महामारी के दौर में तो अमीर जहां और ज्यादा अमीर हुए, वहीं गरीबों तथा मध्यम वर्ग का हाल और बुरा हुआ है तथा आर्थिक विषमता चिंताजनक स्थिति तक बढ़ गई है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट में पहले भी कहा जा चुका है कि अमीर लोग महामारी के समय में आरामदायक जिंदगी का आनंद ले रहे थे जबकि स्वास्थ्य कर्मचारी, दुकानों में काम करने वाले और विक्रेता जरूरी भुगतान करने में असमर्थ थे और इस परिस्थिति से निकलने में वर्षों लग सकते हैं। ऑक्सफैम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ बेहर के मुताबिक रिपोर्ट से स्पष्ट है कि अन्यायपूर्ण आर्थिक व्यवस्था से किस तरह सबसे बड़े आर्थिक संकट के दौरान सबसे धनी लोगों ने बहुत अधिक सम्पत्ति अर्जित की जबकि करोड़ों लोग बेहद मुश्किल से गुजर-बसर कर रहे हैं। ऑक्सफैम की पिछले साल की रिपोर्ट में भी कहा गया था कि यदि कोरोना के कुबेरों से वसूली होती तो देश में आर्थिक असमानता को लेकर स्थिति इतनी खराब नहीं होती। इससे पूर्व 'रिफ्यूजी इंटरनेशनल' की एक रिपोर्ट में भी खुलासा हुआ था कि कोरोना महामारी ने दुनियाभर में 16 करोड़ से भी ज्यादा ऐसे लोगों के रहने का ठिकाना छीन लिया, जो भुखमरी, बेरोजगारी तथा आतंकवाद के कारण अपने घर या देश छोड़कर दूसरी जगहों पर बस गए थे।

ऑक्सफैम की हालिया रिपोर्ट में मांग की गई है कि धनी लोगों पर उच्च सम्पत्ति कर लगाते हुए श्रमिकों के लिए मजबूत संरक्षण का प्रबंध किया जाए। दरअसल बड़े औद्योगिक घरानों पर टैक्स लगाकर सार्वजनिक सेवाओं के लिए आवश्यक संसाधन जुटाए जा सकते हैं। कुछ विशेषज्ञों का मत है कि देश के शीर्ष धनकुबेरों पर महज डेढ़ फीसदी सम्पत्ति कर लगाकर ही देश के कई करोड़ लोगों की गरीबी दूर की जा सकती है लेकिन किसी भी सरकार के लिए यह कार्य इतना सहज नहीं है। दरअसल यह जगजाहिर है कि बहुत से राजनीतिक फैसलों पर भी इन धन कुबेरों का ही नियंत्रण होता है।

कांग्रेस में एक नई शुरुआत

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में दिसंबर महीने में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी पूरी तरह चुनावी मूड में लग रही है। प्रदेश में 18 दिनों तक चली राहुल गांधी की भारत जोड़ो पदयात्रा के बाद कांग्रेस संगठन भी सक्रिय हो गया है। कांग्रेस के नए प्रदेश प्रभारी बने सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पद संभालते ही प्रदेश कांग्रेस में लम्बे समय से रिक्त पड़े संगठन के पदों पर नियुक्तियां करवानी प्रारंभ करवा दी है। जिससे कांग्रेस संगठन में हलचल होने लगी है। लम्बे समय से सुस्त पड़े कांग्रेस कार्यकर्ता भी अब तरोताजा लग रहे हैं।

प्रदेश प्रभारी रंधावा ने जहां प्रदेश कांग्रेस के रिक्त पड़े सभी 400 ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों में से अधिकांश ब्लॉक अध्यक्षों का मनोनयन करवा दिया है। वहीं पहली बार मंडल इकाई का भी गठन करवाया जा रहा है। यह कांग्रेस में एक नई शुरुआत है। इससे बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को संगठन में पदाधिकारी बनाया जा सकेगा। जिससे कार्यकर्ता पार्टी प्रत्याशी के साथ जुट कर चुनाव में काम करेंगे। राहुल गांधी की भारत जोड़ो पदयात्रा समाप्त होने के बाद 27 जनवरी से प्रदेश कांग्रेस कमेटी एक नया कार्यक्रम हाथ जोड़ो अभियान चलाएगी। 18 दिसंबर को अलवर के मालाखेड़ा में भारत जोड़ो यात्रा के तहत आयोजित जनसभा में राहुल गांधी ने कहा था कि मुझे भाजपा वाले बुरे नहीं लगते हैं। मैं रास्ते में जाता हूं तो इशारा करके पूछते हैं कि क्या कर रहे हो? मैं उन्हें जवाब देना चाहता हूं कि नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोल रहा हूं। आइए आप भी बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलिए। महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, सरदार पटेल, अंबेडकर साहब ने भी मोहब्बत की दुकान खोली थी। राहुल गांधी के भाषण की इन लाइनों को अब प्रदेश कांग्रेस कमेटी घर-घर पहुंचाने का काम करेगी। इसके लिए पार्टी ने काम शुरू कर दिया है। कांग्रेस पदाधिकारी घर-घर जाएंगे और लोगों से सीधे बात करेंगे।

इसी अभियान के तहत राहुल गांधी के पत्र हर घर तक पहुंचाए जाएंगे। राहुल गांधी का व्यक्तिगत पत्र प्रदेश के हर घर में पहुंचाने के लिए पार्टी पदाधिकारियों को टास्क दे दिया गया है। अगले दो महीने में प्रदेश के हर कोने तक राहुल गांधी के इस संदेश को लोगों को तक पहुंचाया जाएगा। इस अभियान की निगरानी के लिए प्रदेश में वरिष्ठ नेताओं को पर्यवेक्षकों बनायाा गया है। बताया जा रहा है कि ये पत्र घर जाकर दिया जाएगा ताकि जनता से सीधा संवाद भी हो और उनकी परेशानी व मुद्दों को सुना जाए। इस कार्यक्रम के लिये आयोजित होने वाली पदयात्रा दो महीने तक गांवों में रहेगी। एक महीने में सभी पॉलिंग बूथ कवर किए जाएंगे। हर गांव में मीटिंग होंगी। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर संदेश लेकर जाएंगे। पत्र में राहुल गांधी के संदेश के साथ मोदी सरकार की नाकामियां भी बतायी जायेंगी। गांवों में यात्रा का वीडियो भी दिखाया जाएगा। हर गांव के ग्रुप भी बनेंगे। गांवों में युवक कांग्रेस व एनएसयूआई बाइक रैली निकालेंगी। जिला स्तर पर कार्यकर्ता मेला लगाया जाएगा। इसमें प्रदेशाध्यक्ष, मुख्यमंत्री व वरिष्ठ नेता भाग लेंगे। प्रदेश स्तर पर महासंगम होगा। कांग्रेस महारैली का भी आयोजन किया जाएगा। इसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष व अन्य बड़े नेता आएंगे। राजस्थान का बजट भी इस बार अलग हट कर होगा। माना जाता है कि राजस्थान का बजट पूरे देश को रास्ता दिखाता है। राजस्थान में सरकारी कर्मचारियों के लिये फिर से पुरानी पेंशन योजना लागू करने के बाद कांग्रेस शासित व अन्य कई राज्यों ने भी इस योजना को लागू करने की घोषणा कर दी है। इसके अलावा आने वाले बजट में प्रदेश को बहुत कुछ खास मिलने वाला है। कांग्रेस का बजट आम आदमी का बजट होता है। राहुल गांधी की यात्रा के दौरान राजस्थान सरकार द्वारा गरीब परिवारों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने की घोषणा की जा चुकी है। चुनावी वर्ष में प्रशासन को भी और अधिक सक्रिय किया जा रहा हैं। सियासी तापमान नापने के लिए सभी जिला कलेक्टर और मंत्री भी जल्द ही गांव-कस्बों में महीने में दो बार जन सुनवाई कर रात्रि चौपाल लगाएंगे। चुनावी वर्ष में गुड गवर्नेंस को प्रभावी बनाने के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर ऐसा होने जा रहा है। जिलों में जहां भी संभव होगा मंत्रियों-कलेक्टरों की मीटिंग्स को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जयपुर स्थित सचिवालय से भी जोड़ा जाएगा।

जिससे समस्याओं को हाथों-हाथ ही निपटाया जा सके। इस विषय में जयपुर के ओटीएस में चिंतन शिविर का आयोजन होगा। चिंतन शिविर की मुख्य थीम ही गुड गवर्नेंस है। शिविर में सभी बजट घोषणाओं और घोषणा पत्र में किए गए वादों पर ही सभी मंत्रियों को प्रजेंटेशन देना है। इस में मंत्री बीते चार वर्षों में घोषणाओं पर अब तक हुए काम को बताएंगे और शेष रही घोषणाओं को कब तक पूरा करेंगे इस विषय में अपना प्लान साझा करेंगे। इसका उद्देश्य प्रशासनिक मशीनरी को कसने के साथ ही सरकार के परफोर्मेंस के बारे में राजनीतिक फीडबैक भी जुटाना है। कुछ महीने बाद सरकार के सामने विधानसभा चुनाव आने वाले हैं। ऐसे में कलेक्टर-मंत्रियों के जरिए मिलने वाला फीडबैक मददगार साबित हो सकता है। राजस्थान में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। मगर कांग्रेस में नेतृत्व का असमंजस बना हुआ है। हालांकि चुनावी वर्ष को लेकर कांग्रेस ने कार्य शुरू कर दिया है। इसके बावजूद नेतृत्व के स्तर पर स्थितियां साफ नहीं होने से कांग्रेस में अंदरूनी स्तर पर असमंजस और खींचतान बनी हुई है। इसका असर कार्यक्रमों और तैयारियों पर देखने को मिल रहा है।

सर्दियों में खाएं पालक

पालक पोषक तत्वों का खजाना है, सर्दियों में पालक का सेवन करने से आप स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं से बच सकते हैं। इसमें आयरन, पोटैशियम, विटामिन-के, विटामिन-ए, विटामिन-सी और अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो कई बीमारियों को दूर करने में सहायक है। इसमें मौजूद विटामिन-सी इम्यूनिटी को बूस्ट करने में मददगार है। जिससे आप वायरस और बैक्टीरिया से बच सकते हैं।

मशरूम में होता है एंटीऑक्सीडेंट गुण

मशरूम का सेवन सर्दियों में किया जाता है। यह फाइबर, पोटैशियम, विटामिन सी का अच्छा सोर्स है। इसके अलावा इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण भी होते हैं, ये हानिकारक फ्री रेडिकल्स से शरीर को प्रोटेक्ट करते हैं। इसके अलावा इसमें कैलोरी कम होती है, इससे वेट लॉस में फायदा मिलता है। मशरूम कब्ज की समस्या से भी राहत दिलाता है। इसमें मौजूद विटामिन डी और कैल्शियम हड्डियों को मजबूत बनाता है। मेथी की हरी-हरी पत्तियां सर्दियों में खूब मिलती हैं। आप इसे डाइट में कई तरीकों से शामिल कर सकते हैं। ये पत्तियां सेहत के लिए भी बहुत ही लाभाकारी हैं। मेथी की पत्तियां एंटी ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होती हैं।

मूली का करें सेवन

सर्दियों में मूली खाने से सेहत को काफी फायदे मिलते हैं। आप इसे डाइट में कई तरह से शामिल कर सकते हैं। इस मौसम में आप मूली के पराठे बना सकते हैं। चाहें तो इसे सब्जी या सलाद के रूप में भी खा सकते हैं। एक्सपर्ट के अनुसार, मूली में मौजूद विटामिन-सी, फोलिक, ऐंथोसाइनिन कई खतरनाक बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं।

गाजर है लाभकारी

सर्दियों के मौसम में लोग गाजर खाना खूब पसंद करते हैं। यह सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इसमें आयरन, पोटैशियम, कॉपर, मैंगनीज आदि कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो कई बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। गाजर में मौजूद विटामिन्स इम्यूनिटी को मजबूत रखने में मदद करते हैं। साथ ही, यह आंखों को स्वस्थ रखने में भी काफी मदद करता है। सर्दियों में फिट रहने के लिए आप डेली डाइट में गाजर शामिल कर सकते हैं।

बीमारियों से रहना है दूर तो खाएं हरी सब्जियां

सर्दियों के मौसम में हरी पत्तेदार सब्जियां खूब मिलती हैं। ये स्वादिष्ट होने के साथ सेहत के लिए काफी फायदेमंद हैं। इन सब्जियों को नियमित रूप से डाइट में शामिल कर आप कई बीमारियों से बच सकते हैं। सर्द हवाओं की वजह से लोग आसानी से बीमारी के चपेट में आने लगते हैं। इस मौसम में ठंड से बचने के लिए सिर्फ गर्म कपड़े पहनना काफी नहीं है, शरीर को अंदर से गर्म रखने के लिए खानपान पर भी विशेष ध्यान देना जरूरी है। सर्दियों में कई तरह की पत्तेदार सब्जियां मिलती हैं, जो पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं। इनके सेवन से आप कई रोगों से बच सकते हैं। अगर आप इस मौसम में नियमित रूप से इन सब्जियों का सेवन करते हैं, तो आपकी इम्यूनिटी मजबूत होती है, जिससे आप कई तरह के संक्रमण से बच सकते हैं।

बथुए का साग

बथुआ साग स्वास्थ्य के लिए काफी लाभकारी होता है। यह विटामिन ए, विटामिन डी, कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन और पोटैशियम काफी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। आप इसे अपनी विंटर डाइट में शामिल कर सकते हैं। बथुआ साग खाने से गैस और कब्ज की समस्या में आराम मिलता है। इसके अलावा यह पाचन शक्ति को भी बढ़ाता है। बथुआ का साग खाने से खून साफ होता है, ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और खट्टी डकार की समस्या से छुटकारा मिलता है।

शलजम

शलजम का सेवन भी सर्दियों में अधिकतर लोग करते हैं। यह पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसमें विटामिन सी, विटामिन के, बीटा कैरोटीन और पोटैशियम जैसे गुण पाए जाते हैं। शलजम का सेवन सलाद, जूस के रूप में किया जा सकता है। कई लोग इसकी सब्जी भी बनाते हैं।

हंसना मना है

टीचर: हमेशा कहो की मुझे सब पता है। पप्पू: पापा मुझे सब पता है। पापा: बेटा ये 50 रु। लो और चुप रहना। आंटी तो बस मिलने आती हैं। पप्पू: मम्मी मुझे सब पता है। मम्मी: बेटा ये 100 रु। लो और चुप रहना।

आजकल दो चीज सिर्फ किस्मत वालों को ही मिलती है।। एक तो जंगल में घुमता सफेद हाथी।।! और, दुसरा बिना अफेयर वाला जीवन साथी।

रामु काका तो रूम साफ करते हैं बस। पप्पू (नौकर से): रामु काका मुझे सब पता है। रामु काका: सब जान ने के बाद भी अपने बाप के गले नहीं लगेगा पगले।

भगवान को गुस्सा कब आता है? जब-जब कोई लड़की शादी से पहले प्रेगनेंट हो जाये।। और उसकी मां कहे, हे भगवान ये तूने क्या किया।

हंसी के लिए गम कुर्बान, खुशी के लिए आंसू कुर्बान, दोस्त के लिए जान भी कुर्बान, और, अगर दोस्त की गर्लफ्रेंड मिल जाये तो, साला दोस्त भी कुर्बान।

व्यक्ति नदी में डूब रहा था, व्यक्ति: बचाओ गणेश जी बचाओ, गणेश जी आये और नाचने लगे, व्यक्ति: आप नाच क्यों रहे हो? गणेश जी: तू भी तो मेरे विसर्जन में नाचता है।

कहानी | हाथी और शेर

एक जंगल में एक शेर अकेला बैठा हुआ था। वह सोच रहा था कि मेरे पास तो तेज धारदार मजबूत पंजे और दांत हैं। साथ ही मैं एक बहुत ही ताकतवर जानवर भी हूं, लेकिन फिर भी जंगल के सारे जानवर हमेशा मोर की ही तारीफ क्यों करते हैं। शेर को इस बात से बहुत जलन होती थी। जंगल के सभी जानवर कहते थे कि मोर जब भी अपने पंख फैलाकर नाचता है, तो वह बहुत सुंदर लगता है। यही सब सोचकर शेर बहुत दुखी हो रहा था। वह सोच रहा था कि इतना ताकतवर होने और जंगल का राजा होने पर भी कोई उसकी तारीफ नहीं करता है। तभी वहां से एक हाथी जा रहा था। वह भी काफी दुखी था। जब शेर ने उस दुखी हाथी को देखा, तो उससे पूछा, तुम्हारा शरीर इतना बड़ा है और तुम ताकतवर भी हो। फिर भी इतने दुखी क्यों हो? तुम्हें क्या परेशानी है? दुखी हाथी को देखकर शेर ने सोचा कि क्यों न मैं इस हाथी के साथ अपना दुख बांट लूं। उसने हाथी से पूछा कि क्या इस जंगल में ऐसा कोई जानवर है, जिससे तुम्हें जलन होती हो? हाथी ने कहा कि जंगल का सबसे छोटा जानवर भी मुझ जैसे बड़े जानवर को परेशान कर सकता है। शेर ने पूछा कि वह कौन सा छोटा जानवर है? हाथी ने कहा कि महाराज, वो जानवर चींटी है। वह इस जंगल में सबसे छोटी है, लेकिन जब भी वो मेरे कान में घुसती है, तो मैं दर्द के मारे पागल हो जाता हूं। हाथी की बात सुनकर शेर को समझ में आ गया कि मोर तो मुझे चींटी की तरह परेशान भी नहीं करता है, फिर भी मुझे उससे जलन होती है। ईश्वर ने सभी प्राणियों को अलग-अलग खामियां और खूबियां दी हैं। इस तरह शेर को यह समझ में आ गया कि उस जैसे ताकतवर जानवर में भी खूबियों के साथ कमियां हो सकती है। इससे शेर के मन में उसका खोया हुआ आत्मविश्वास फिर से बढ़ गया और उसने मोर से जलन करना बंद कर दिया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आप सामाजिक रूप से थोड़ा व्यस्त रहेंगे। मेष राशि वाले अपने करियर और पेशे में प्रगति के लिए हर संभव कोशिश जरूर करें। सामाजिक स्तर पर आपका रुतबा बढ़ सकता है।

वृषभ

बिगड़ते काम आज बन सकते है। बिना सोचे-समझे कोई काम न करे। किसी काम करने से पहले अपने परिवार की सलाह लें। कारोबार में उन्नति हो सकती हैं।

मिथुन

आज आपका दिन शानदार रहेगा। किसी जरूरी काम से की गई यात्रा लाभदायक हो सकती है। आपका व्यवहार दूसरों को प्रभावित कर सकता है।

कर्क

आज आपके घर पर भी खुशियों का माहौल रहेगा। अधिकारी आपको बड़ी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं। आपके रुके हुए महत्वपूर्ण काम आज पूरे होंगे।

सिंह

व्यर्थ की चीजों पर धन खर्च न करें। आज बिजनेस के लिए अच्छा दिन हैं। आज माता-पिता का आशीर्वाद लेना न भूलें। मित्रों की सहायता से कई काम बन सकते हैं।

कन्या

आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी निजी काम को पूरा करने के लिए बड़े-बुजुर्ग की राय मानना कारगर साबित होगा। काम के प्रति आपकी मेहनत रंग लायेगी।

तुला

आज आपके विरोधी आपकी प्रतिष्ठा धूमिल करने की कोशिश करेंगे। घर के लोग आपके खर्चीले स्वभाव की आलोचना करेंगे। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

वृश्चिक

हमेशा अपने मन की सुने, साथ ही हमेशा अच्छे काम के लिए आगे बढ़े। जीवन में आपको लापरवाही से बचना होगा क्योंकि यह आपका बना बनाया काम बिगाड़ सकता है।

धनु

आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आर्थिक रूप से आपकी प्रगति होना तय है। जीवन में धन लाभ के नये अवसर आयेंगे। आप सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे।

मकर

आज व्यापारियों और कारोबारियों को नया आर्डर मिल सकता है। आप शायद अपने पुराने दोस्तों के याद कर रहे हैं। उनसे मिल कर आपको बहुत खुशी होगी।

कुम्भ

आज आपका दिन शानदार रहेगा। बच्चों के साथ पार्क में घूमने जायेंगे। परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। ऑफिस में सहयोगी आपसे काफी प्रभावित होंगे।

मीन

आज हर कोई आपकी बातों को ध्यान से सुनेगा। आप सबसे पहले अपने वित्तीय सलाहकार से चर्चा करते हुए भविष्य की योजनाओं पर जोर दें।

बॉलीवुड मसाला

जान्हवी पर अभी से चढ़ा होली का खुमार, बोलीं-

मार्च का इंतजार अब और नहीं कर सकती

जान्हवी कपूर ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो होली खेलती दिखाई दे रही हैं। ये वीडियो किसी शूटिंग के सेट का लग रहा है। जान्हवी ने इस वीडियो के साथ कैप्शन लिखा है, मार्च का इंतजार अब और नहीं कर सकती जान्हवी इस दौरान व्हाइट ड्रेस में नजर आ रही हैं। उनके शरीर पर रंग लगे हैं वो फूलों की होली खेलती हुए नजर आ रही हैं। जान्हवी अपने रिलेशनशिप की वजह से भी काफी चर्चा में हैं। वो इन दिनों अपने एक्स बॉयफ्रेंड शेखर पहाड़िया के साथ नजदीकियों की वजह से सुर्खियों में हैं। जान्हवी कुछ दिनों पहले मालदीव वेकेशन गई थीं। इस दौरान उन्होंने कई फोटोज भी शेयर की थीं। इन फोटोज में जान्हवी समंदर के किनारे चांदनी रात में खड़ी दिख रही है। कुछ समय बाद शिखर ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर उसी बैकग्राउंड वाली फोटोज शेयर की जैसी जान्हवी ने की थी। हालांकि शिखर ने जो फोटो शेयर की थी उसमें कोई दिख तो नहीं रहा था, लेकिन इसे देखने के बाद यूजर्स कयास लगाने लगे कि दोनों साथ में एक ही जगह पर छुट्टी एन्जॉय कर रहे हैं। इसके बाद भी शिखर और जान्हवी कई बार एक साथ स्पॉट किए जा चुके हैं। बता दें कि शिखर पहा?िया देश के पूर्व गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे के पोते हैं।

जान्हवी कपूर की आने वाली फिल्में

जान्हवी ने शशांक खेतान की फिल्म धड़क से बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में एक्टिंग करने के लिए श्रीदेवी ने उन्हें ट्रेनिंग दी थी। ये फिल्म 20 जुलाई 2018 में रिलीज हुई थी। जान्हवी आखिरी बार फिल्म मिली में नजर आई थीं। ये फिल्म 4 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई थी। वहीं जान्हवी की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वो फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही, बवाल, दोस्ताना 2 और किट्टी में लीड रोल निभाती नजर आएंगी। जान्हवी ने हाल ही में एक ट्रेडिशनल फोटोशूट कराया है जिसमें वो काफी खूबसूरत नजर आ रही हैं। जान्हवी ने पोंगल के अवसर पर ये फोटोज पोस्ट की है। गौरतलब है कि जान्हवी की मां और दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी साउथ की रहने वाली थीं। इसलिए जान्हवी का साउथ इंडियन परिधानों और वहां के त्योहारों से खास लगाव है।

बॉलीवुड मन की बात

सुकेश चंद्रशेखर ने मेरा करियर तक बर्बाद कर दिया : जैकलीन

जैकलीन फर्नांडिस ने ठग सुकेश चंद्रशेखर के खिलाफ पटियाला हाउस कोर्ट में बयान दिया है। जैकलीन ने सुकेश पर कई आरोप लगाए। एक्ट्रेस ने कहा कि सुकेश ने मेरे इमोशंस के साथ खेला है। उसने उनकी लाइफ बर्बाद कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिकजैकलीन फर्नांडिस ने कोर्ट में दावा किया कि सुकेश चंद्रशेखर ने उन्हें बताया था कि वह सरकारी अधिकारी है। पिंकी ईरानी ने एक्ट्रेस के मेकअप आर्टिस्ट शान मुथाथिल को यह यकीन दिलाया था कि वह होम मिनिस्ट्री के एक अधिकारी है। जैकलीन फर्नांडिस ने अपने बयानमें बताया कि सुकेश ने खुद को सन टीवी का मालिक बताया था। उसने कहा था कि जे जयाललिता उसकी आंटी हैं और वह मेरा बहुत बड़ा फैन है। इतना ही नहीं सुकेश साउथ इंडियन फिल्मों में मेरे साथ काम करना चाहता है। एक्ट्रेस को बताया गया था कि उसके कई प्रोजेक्ट्स पाइप लाइन में हैं। एक्ट्रेस ने अपने बयान में बताया कि हम दोनों दिन में कम से कम तीन बार कॉल और वीडियो कॉल पर बात करते थे। वह सुबह मेरे शूट से पहले, दिन में और कभी-कभी रात में सोने से पहले कॉल मुझसे बात करता था। उसने कभी नहीं बताया कि वह जेल से बात कर रहा है और वह जेल में है। वीडियो कॉल पर हमेशा मुझे बैकग्राउंड में सोफा और पर्दा दिखता रहता था।

पीएम मोदी के बयान से असंतुष्ट दिखे अनुराग कश्यप

अनुराग कश्यप को अपनी बेबाकी के लिए जाना जाता है। अनुराग शुरुआत से ही अपनी बात को खुलकर कहने वालों में से एक रहे हैं। अनुराग कश्यप शुरू से ही सेंसरशिप और बॉयकॉट ब्रिगेड से लड़ते रहे हैं। इन दिनों डायरेक्टर अपनी नई फिल्म ऑल्मोस्ट प्यार विद डीजे मोहब्बत का प्रमोशन कर रहे हैं। इस बीच अनुराग कश्यप से एक बड़ा सवाल पूछा गया। गुरुवार को अनुराग कश्यप अपनी फिल्म का प्रमोशन करने पहुंचे थे। इस बीच उनसे पूछा गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभी कहा है कि कोई भी नेता उठकर किसी भी फिल्म के बारे में बोलने लगता है और सारा दिन टीवी पर वही चलता है। तो लोगों को ऐसे कमेंट करने से बचना चाहिए। ऐसे में आप क्या बोलना चाहेंगे। आपको क्या लगता है कि बॉलीवुड को बॉयकॉट करने वालों का असर कम होगा। लोग उनके मैसेज को गंभीरता से लेंगे, क्योंकि इससे पहले इतने बड़े नेता ने कभी ऐसा कोई बयान नहीं दिया है। अनुराग कश्यप ने इस सवाल के जवाब में कहा, ये वो चार साल पहले कहते तो मुझे लगता है असर होता। अब मुझे नहीं लगता कि इस बात का कोई असर होगा। अब चीजें हाथ से ज्यादा आगे निकली हुई हैं। मतलब ऐसा नहीं है कि अभी कोई किसी को सुनेगा। जब आप पक्षपात और नफरत को सशक्त करते हो अपनी चुप्पी से।।. अब वो इतनी ज्यादा सशक्त हो चुकी हैं कि मॉब बाहर निकल चुका है. बॉलीवुड में बॉयकॉट का ट्रेंड लंबे समय से देखने मिल रहा है। शाहरुख खान और सलमान खान के अलावा आमिर खान और अक्षय कुमार भी इस ट्रेंड का शिकार हुए हैं।

बॉलीवुड तड़का

लाखों में होती है इस मुर्गे की कीमत ब्यूटी कॉन्टेस्ट में लेता है हिस्सा

चिकन का नाम सुनते ही लोगों के मुंह में पानी आ जाता है। चिकन अगर डिलीशियस बना हो तो खाने का मजा ही कुछ और है। मुर्गे की कई प्रजातियां हैं, जो काफी कॉस्टली और लोग बड़े ही चाव से खाते हैं। ऐसे ही मुर्गे की एक प्रजाति के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे आपने अभी तक खाया भी नहीं होगा और इसका स्वाद भी काफी लजबाव है। इसकी कीमत भी काफी है। वियतनाम के हनोई में ले वान हिएन ने ड्रैगन मुर्गियों के झुंड के बीच एक ऐसे मुर्गे को चुना, जो सबसे बेस्ट है। यह मुर्गे की एक ऐसी नस्ल है, जिसकी टांगें ईंट जितनी मोटी होती हैं और जिसकी कीमत 162644 l30 रुपये (₹2,000) तक हो सकती है। दांग ताओ चिकन का पैर ढेलेदार होते हैं। इसका नाम उत्तरी वियतनाम के उस धर्म-संप्रदाय पर जहां इसे प्रतिबंधित माना जाता है। यह बहुत ही दुर्लभ माना जाता है। विशेष रूप से वियतनामी चंद्र नव वर्ष के दौरान धनी लोगों के बीच यह काफी लोकप्रिय है। हिएन का बेशकीमती चार किलोग्राम का यह मुर्गा, जिसके विशाल पैर उसके शरीर के वजन का लगभग पांचवां हिस्सा होता है। इसे लगभग 150 अमेरिकी डॉलर में बेचा गया था। लेकिन विशेष रूप से बड़ी वंशावली मुर्गियों को इसके 10 गुना से अधिक मूल्य दिया गया है। कुछ को तो ब्यूटी कॉन्टेस्ट में भी शामिल किया जाता है। हिएन ने्स्नक्कको बताया कि पक्षी के स्वाद की वजह उसके मकई और चावल का आहार है और उसे घूमने की आजादी है। हालांकि अंडे देने वाली मुर्गियों को बैटरी के पिंजरों में रखा जाता है, जिन पर दुनिया भर के कुछ देशों में प्रतिबंध लगा दिया गया है। मांस के लिए पैदा की गई मुर्गियों को एक छोटे से बगीचे में खुला छोड़ दिया जाता है। 15 से अधिक वर्षों से मुर्गियों का प्रजनन कर रहे हिएन ने कहा, मुर्गियां जितना अधिक चलता है, उनकी मांसपेशियां उतनी ही मजबूत और बड़ी होती हैं। डोंग ताओ चिकन का मांस 10 किलो तक होता है। इसकी सख्त और चबाने वाली बनावट के लिए बेशकीमती है और इसमें फैट भी कम होता है। इसे कभी-कभी उबला हुआ परोसा जाता है, लेकिन तला हुआ, दम किया हुआ या लेमनग्रास के साथ भी परोसा जाता है। डोंग ताओ में एक नियमित ग्राहक बताते हैं कि डोंग ताओ चिकन का सबसे अच्छा हिस्सा उनके पैरों की त्वचा है। पैर जितने बड़े होते हैं, उतने ही स्वादिष्ट होते हैं।

अजब-गजब

भारत ही नहीं, दुनिया के कई देशों में होता है यही रंग

जानिये पीली क्यों होती है स्कूल बस

आपने सड़क पर चलते हुए कई गाड़ियां देखी होंगी जो अलग-अलग रंगों की होती होंगी पर स्कूल बस का रंग हमेशा ही एक जैसा देखा होगा, वो है पीला। क्या आपने कभी सोचा है कि स्कूल बस का रंग पीला क्यों होता है, लाल, नीला क्यों नहीं होता? इसके पीछे आप कह सकते हैं कि रंग आकर्षक लगता होगा शायद इसलिए ऐसा हो, पर नहीं, इस सवाल का जवाब विज्ञान से जुड़ा है। मगर इस जवाब को जानने से पहले जान लीजिए कि बस को पीला करने का आइडिया किसका था। वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार स्कूल बसों को पीला करने की शुरुआत अमेरिका से हुई थी। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के टीचर्स कॉलेज में पढ़ाने वाले प्रोफेसर फ्रैंक सियर ने 1930 के दशक में देश के स्कूल ट्रांसपोर्टेशन से जुड़े वाहनों पर रिसर्च करना शुरू किया। उन्होंने न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि उस वक्त तक कोई खास मानक नहीं थे जिसके तहत स्कूल वाहन, खासकर बसों के डिजाइन को तय किया जाए। उन्होंने अमेरिकी स्कूल के बच्चों की सुरक्षा के लिए खास मीटिंग बुलाई जिसमें देशभर के प्रमुख शिक्षक, ट्रांसपोर्टेशन अधिकारी, बस निर्माता आदि शामिल हुए थे। उन्होंने मिलकर तय किया कि बस का रंग कैसा होगा। उन्होंने कॉन्फ्रेंस रूम की दीवार पर रंग चिपका दिए और लोगों से चुनने के लिए कहा। सभी ने मिलकर पीला-नारंगी रंग चुना। इसमें पीले रंग प्रमुख था और तब से ही पीला रंग, स्कूल बसों का प्रमुख रंग बन गया। सभी ने पीले रंग को इसलिए चुना क्योंकि सबसे ज्यादा नजरों में वही रंग आ रहा था। तब से पीले रंग की बसों का चलन शुरू हुआ क्योंकि ये ज्यादा सुरक्षित होती थीं। पीला रंग आंखों को आसानी से दिखता है बाद में वैज्ञानिकों ने भी उनके चुनाव को सही बताया क्योंकि उनके अनुसार पीला रंग इंसानी आंखों को सबसे ज्यादा आसानी से नजर आ जाता है। ये विज़िबिलिटी स्पेक्ट्रम में सबसे ऊपर होता है। इसका कारण ये है कि इंसानी आंखों में फोटोरिसेप्टर सेल होती हैं जिसे कोन कहते हैं। आंखों में तीन तरह की कोन होती हैं जो लाल, हरे और नीले रंग को डिटेक्ट करने के लिए बनी होती हैं। पीली लाइट, एक बार में लाल और हरे दोनों सेल पर असर डालती है, इस वजह से वो आंखों को ज्यादा नजर आती है।

अडानी ग्रुप देश में लगाएगा 10 करोड़ पौधे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अडानी ग्रुप ने देश में हरियाली बढ़ाने का बीड़ा उठाया है। इसके तहत वह 10 करोड़ पौधे लगवाएंगे। इतने बड़े स्तर पर वृक्ष लागने के पीछे उनकी मंशा है कि वह जलवायु परिवर्तन से होने वाले हानि से देश को बचाएं। इस ग्रुप ने विश्व आर्थिक मंच के ट्रिलियन ट्रीज प्लेटफॉर्म vt.org पर साल 2030 तक 100 मिलियन यानी 10 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लिया है। अडानी ग्रुप ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी ।

उन्होंने लिखा कि ग्रुप के प्रमुख गौतम अडानी ने संकल्प लिया है कि अडानी ग्रुप साल 2030 तक 100 मिलियन पेड़ लगाएगा। यह भारतीय इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा वृक्षारोपण संकल्प है। एक स्वच्छ और हरित भारत की खोज वह प्रगति है, जिसकी हमें आवश्यकता है। ग्रुप ने 'ट्रिलियन ट्रीज प्लेटफॉर्म' vt.org पर यह प्रतिबद्धता जताई है। vt.org एक बहु-हितधारक मंच है। यह 2030 तक 1 ट्रिलियन पेड़ों के संरक्षण, उनके जीर्णोद्धार और उन्हें विकसित करने के लिए एक वैश्विक आंदोलन का नेतृत्व कर रहा है। यह मंच संयुक्त राष्ट्र के समर्थन में है। vt.org इस पहल में कॉर्पोरेट क्षेत्र की भागीदारी चाहता है। ट्रिलियन ट्री मूवमेंट का मुख्य उद्देश्य वातावरण से बड़ी मात्रा में कार्बन डाईऑक्साइड को हटाकर जलवायु परिवर्तन को धीमा करना है। साथ ही जलवायु और जैव विविधता की दिशा में सकारात्मक काम करना है।

अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने कहा कि ट्रिलियन पेड़ लगाने के लिए vt.org की महत्वाकांक्षा का पैमाना बहुत प्रेरणादायक है। यह मानवता के लचीलेपन का प्रतिबिंब है। समान विचारधारा वाले लोगों की सामूहिक शक्ति के माध्यम से हम बड़े से बड़ा लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा,कि पारिस्थितिक तंत्र को बहाल करना, जैव विविधता के नुकसान को कम करना, मिट्टी के कटाव को कम करना एक हरित दुनिया के निर्माण के लिए आवश्यक है। इस संदर्भ में मैं संकल्प लेता हूँ कि अडानी ग्रुप 2030 तक 100 मिलियन पेड़ लगाएगा, जो एक अग्रणी भूमिका निभाने की भारत की घोषणा का हिस्सा होगा।

03 करोड़ पौधे लगा चुका है अब तक समूह

गौतम अडानी ने जलवायु परिवर्तन की दिशा में लिया संकल्प

लक्ष्य को पूरा करने में सबसे आगे समूह

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में vt.org और नेचर-बेस्ड सॉल्यूशंस के निदेशक निकोल ने कहा कि 1 ट्रिलियन पेड़ों का संरक्षण, उनका जीर्णोद्धार और उन्हें विकसित करने का वैश्विक लक्ष्य महत्वाकांक्षी है, जो प्राप्त किया जा सकता है। जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संकटों से निपटने के लिए अडानी समूह इस लक्ष्य को पूरा करने में सबसे आगे है। vt.org इंडिया प्लेटफॉर्म बढ़ रहा है। इस आंदोलन में अधिक से अधिक व्यवसाय, ईकोप्रेन्योर, सामुदायिक समूह और युवा शामिल हो रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए पेड़ों का संरक्षण और उनका जीर्णोद्धार महत्वपूर्ण हैं। क्योंकि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव जंगलों और कृषि पर निर्भर लाखों लोगों की आजीविका को खतरे में डालते हैं।

औरैया में कच्ची दीवार ढहने से दंपती व बालक की मौत

» रात तकरीबन पौने 12 बजे की है घटना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिधूना (औरैया)। कुदरकोट क्षेत्र के गांव गोपियापुर में शुक्रवार की देर रात छप्पर सहित कच्ची दीवार ढहने से दंपती समेत परिवार के छह लोग दब गए। जो सो रहे थे। दीवार गिरने की आवाज सुन पड़ोसी पहुंचे तो दबे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया गया।

मलबे से बाहर निकालते तब तक दंपती समेत एक बच्चे की मौत हो चुकी थी। अन्य घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिधूना लाया गया। जहां से उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय सैफई के लिए रेफर कर दिया गया। घायलों में तीन बच्चे रहे। रात तकरीबन पौने 12 बजे की घटना है। मकान काफी पुराना होने की वजह से हादसा हुआ। छप्पर सहित दीवार भरभरा कर गिर पड़ी। चारपाई पर सो रहे 40 वर्षीय इंद्रवीर और पत्नी 38 वर्षीय शकुंतला सहित 12 वर्षीय विकास, आकाश, अनुराग व अंशु दब गए। दीवार गिरने की आवाज सुनकर आस-पड़ोस के लोग पहुंचे। उन्होंने मलबे में दबे दंपती सहित बच्चों को बाहर निकाला। इस दौरान शकुंतला और इंद्रवीर सहित विकास की आंखें हमेशा के लिए बंद हो चुकी थीं। वहीं अन्य बच्चों की हालत नाजुक रही। घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिधूना में भर्ती कराया गया। जहां से उन्हें सैफई के लिए रेफर कर दिया गया।

पहलवानों और कुश्ती महासंघ की लड़ाई थमी

डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष पर लगे आरोपों की जांच के लिए बनी समिति, चार सप्ताह में देगी रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दो दिनों से देश में चर्चा का विषय रही पहलवान व भारतीय कुश्ती महासंघ के बीच की लड़ाई खत्म हो गई। डब्ल्यूएफआइ अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर लगे आरोपों की जांच दो समितियों के हवाले की जाएगी। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने पहलवानों के साथ शुक्रवार देर रात बैठक के बाद आरोपों की जांच के लिए एक समिति बनाने की घोषणा की।

बता दें कि समिति में कम से कम तीन सदस्य होंगे। खेल मंत्रालय शनिवार को समिति के सदस्यों की घोषणा करेगा। यह समिति चार सप्ताह में सभी आरोपों की जांच करेगी। जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती है, तब तक बृजभूषण शरण सिंह डब्ल्यूएफआइ से खुद को अलग रखेंगे। बृजभूषण शरण सिंह ने इस्तीफा देने से साफ इनकार कर दिया है। खेल मंत्री से मुलाकात के बाद पहलवान धरना खत्म करने के लिए तैयार हो गए। खेल मंत्री ने कहा कि सभी खिलाड़ियों ने भारतीय कुश्ती संघ पर गंभीर आरोप लगाए और क्या सुधार ये चाहते हैं, ये बात भी सामने आई। उन्होंने कहा कि एक ओवरसाइट कमेटी का गठन किया जाएगा। अगले 4 हफ्तों में ये अपनी जांच को पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि हमने उसी दिन जवाब मांग लिया था। मांगे जो रखी गई उस पर सबने सहमति बनाई। एक कमेटी बनाई जाएगी, जो चार हफ्ते कमेटी सभी आरोपों को जांच करेगी। बता दें कि कम से कम तीन सदस्यों को कमेटी बनेगी। उस कमेटी में महिलाओं की संख्या ज्यादा होगी। जो आइओए की कमेटी है वह आंतरिक शिकायत कमेटी है। ये किसी भी खेल संघ में महिलाओं से जुड़े मामलों को जांच करेगी।

बजरंग पुनिया ने सबको धन्यवाद दिया

बजरंग पूनिया ने कहा, कि मैं सबका धन्यवाद देता हूं। हमें विश्वास है कि निष्पक्ष जांच होगी। मंत्री जी ने खिलाड़ियों को सुरक्षा का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि कुश्ती संघ की तरफ से खिलाड़ियों को पहले धमकी मिली हैं लेकिन मंत्री जी ने कहा है कि हम सब आपके साथ हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा खिलाड़ियों का साथ दिया है। हम धरना नहीं देना चाहते थे लेकिन पानी सिर के ऊपर से निकल गया था। मीडिया का धन्यवाद देना चाहता हूं क्योंकि हमें आपके साथ की जरूरत थी वो हमें मिला है।

जोशीमठ : जलप्रवाह बढ़ने से लोग सहमे

जेपी कॉलोनी में फूटी जलधारा, 48 घंटे में ढाई गुना बढ़ा प्रवाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। आपदाग्रस्त जोशीमठ की जेपी कालोनी में फूटी जलधारा से पानी का प्रवाह फिर से बढने लगा है। इससे तंत्र की चिंता बढ़ा दी है। 48 घंटे में पानी का प्रवाह ढाई गुना बढ़कर 250 एलपीएम (लीटर प्रति मिनट) हो गया है। जेपी कालोनी में दो जनवरी को फूटी जलधारा से निरंतर गादयुक्त पानी निकल रहा है। पहले दिन इसका प्रवाह 550 एलपीएम था। बुधवार को यह घटकर 100 एलपीएम पर आ गया था, लेकिन अब इसमें फिर से वृद्धि हुई है। यद्यपि, इसके पीछे कारण क्षेत्र में हुई बर्फबारी व वर्षा को माना जा रहा है।

सरकार ने जोशीमठ के आपदा प्रभावित परिवारों में से 130 को 36 किलोमीटर दूर पीपलकोटी में पुनर्वासित करने का निश्चय किया है। भूगर्भीय जांच में वहां की भूमि उपयुक्त पाई गई है। इस बीच पीपलकोटी के निवासियों के बीच वहां पुनर्वास को लेकर विरोध के सुर भी उभरे हैं। सचिव आपदा प्रबंधन डा रंजीत कुमार सिन्हा के अनुसार जल्द ही पीपलकोटी के निवासियों से बातचीत की जाएगी। उनकी बात सुनी जाएगी और यदि कोई आशंका है तो उसका निवारण किया जाएगा।

शिविरों में 81 बच्चे

डॉ. सिन्हा ने बताया कि जोशीमठ में बनाए गए राहत शिविरों में अब तक 259 परिवारों को अस्थायी रूप से विस्थापित किया गया है। इनकी कुल सदस्य संख्या 900 है। इनमें 10 साल से कम के 81 बच्चे भी शामिल हैं। डॉ. सिन्हा के अनुसार जोशीमठ में सर्वे चल रहा है। अभी तक ऐसे 863 भवन चिह्नित किए जा चुके हैं, जिनमें दरारें पड़ी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भवनों में नई दरारें नहीं हैं, ये पुरानी हैं। जैसे-जैसे सर्वे हो रहा है, ऐसे भवनों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जो भवन खतरनाक हो चुके हैं, उन्हें भवन स्वामियों की सहमति से ही तोड़ा जाएगा।

मौनी अमावस्या : श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

फोटो : 4पीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। माघ मेले के प्रमुख स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर शनिवार को लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में डुबकी लगाई। देर रात से ही श्रद्धालुओं का रेला संगम तट पर उमड़ पड़ा। पौ फटते ही डुबकी शुरू हो गई। श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाने के बाद विधि विधान से मां गंगा का पूजन अर्चन कर दीपदान किया। कंपकंपाती ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं का आस्था भारी दिखी। लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखा। घाटों के अलावा पूरे माघ मेला में सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त किया गया है। पैदल के अलावा घुड़सवार पुलिस के जवान निगरानी कर रहे हैं। पैरामिलिट्री फोर्स के अलावा जल पुलिस के जवानों की तैनी की गई। संगम जाने के सभी रास्ते पैक रहे।

मौनी अमावस्या पर शनिवार को सर्वार्थ सिद्धि योग में संगम पर मौन डुबकी लगेगी। इस बार शनि अमावस्या होने की वजह से इस स्नान पर्व पर डुबकी विशेष फलदायी होगी। ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक मौनी अमावस्या शनिवार की सुबह 6:16 बजे से रविवार की रात 2:22 बजे तक रहेगी। इस बीच सर्वार्थ सिद्धि योग लग रहा है। ऐसे में पुण्य की डुबकी से मनसा , वाचा, कर्मणा तीनों तरह के पापों के शमन के योग हैं। ज्योतिषाचार्य पं. ब्रजेंद्र मिश्र के मुताबिक सुबह 8:33 से 9:52 बजे के बीच स्नान-दान का सबसे उत्तम मुहूर्त है।

बारिश ने लोगों की बढ़ाई मुसीबत

मौनी अमावस्या पर संगम में डुबकी लगाने के लिए उमड़े जन ज्वार के बीच आधी रात शुरू हुई बारिश ने लाखों श्रद्धालुओं की परेशानी बढ़ा दी। माघ मेला क्षेत्र में सड़कों और पटरियों पर जमे बड़ी संख्या में लोग भीग कर ठिठुरते रहे। उधर, शिविरों में भी कई जगह पानी लग गया। इससे लोग ठंड के साथ बारिश की दोहरी मार का सामना करने के लिए मजबूर हो गए। रात करीब 11:30 बजे बारिश शुरू होने से माघ मेला क्षेत्र में आफत सी आ गई। करीब आधे घंटे तक हुई बारिश में शिविरों का हाल बेहाल हो गया।

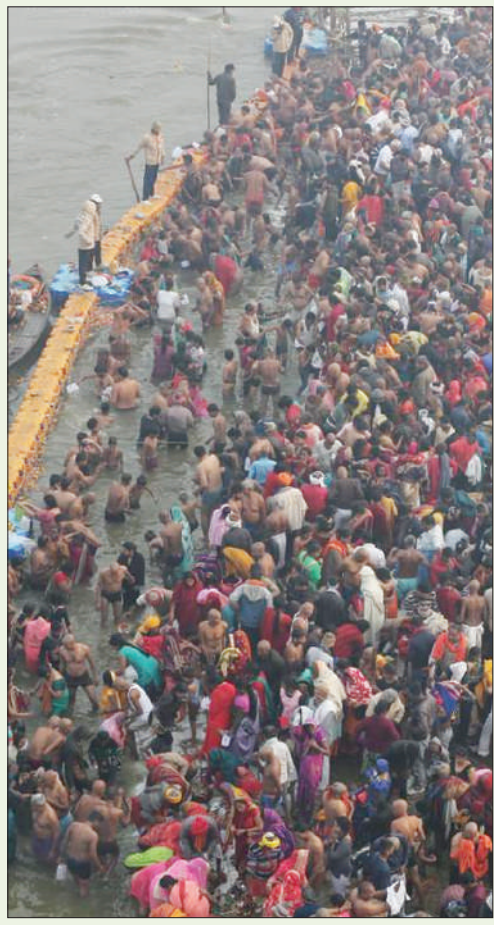

फोटो : सुमित कुमार

वाकाथान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पांच कालीदास मार्ग से आगरा, वाराणसी, लखनऊ व गौतमबुद्धनगर में आयोजित जी-20 वाकाथान को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान सीएम योगी के साथ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। लखनऊ सहित आगरा, वाराणसी व गौतमबुद्धनगर इस दौरान कई मार्गों पर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहा।

कांग्रेस का हाथ से हाथ जोड़ो अभियान का लोगो जारी

» बीजेपी सरकार की नीतियों पर बनाई चार्जशीट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी देशभर में भारत जोड़ो यात्रा निकाल रही है। हालांकि कांग्रेस यहीं नहीं रुकने वाली है और भारत जोड़ो यात्रा के दौरान ही पार्टी देशभर में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान की शुरुआत करेगी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शनिवार को दिल्ली में पार्टी के हाथ से हाथ जोड़ो अभियान का लोगो जारी किया। इसके साथ ही कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ एक चार्जशीट भी जारी की है, जिसमें केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की गई है।

केसी वेणुगोपाल ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि 130 दिनों की ऐतिहासिक यात्रा (भारत जोड़ो यात्रा) के दौरान हमने बड़ी संख्या में देश के लोगों से बात की। राहुल गांधी ने भी यात्रा के दौरान कई लोगों से चर्चाएं की। इतने लोगों से बातचीत के बाद हम समझ सकते हैं कि लोग मोदी सरकार से परेशान हैं। हाथ से हाथ जोड़ो अभियान की शुरुआत 26 जनवरी से होगी। इस अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से बात करेंगे और भारत जोड़ो यात्रा के संदेश को लोगों

तक पहुंचाएंगे।

कांग्रेस नेता ने कहा कि आज हमने मोदी सरकार के खिलाफ एक चार्जशीट भी जारी की है। साथ ही राज्यों की प्रदेश कांग्रेस कमेटी भी अपनी-अपनी राज्य सरकारों के खिलाफ भी चार्जशीट बनाएंगी। हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी अपने अपने क्षेत्र के मतदाताओं के घर जाएंगे और उन्हें कांग्रेस की विचारधारा के बारे में बताएंगे। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जो संदेश दिया गया, उस संदेश को घर-घर पहुंचाया जाएगा। इस दौरान राहुल गांधी का एक पत्र लोगों को सौंपा जाएगा। साथ ही केंद्र सरकार की खामियां बताने वाली एक चार्जशीट भी बांटी जाएगी। इस अभियान के तहत कांग्रेस पार्टी का लक्ष्य 26 जनवरी से लेकर 26 मार्च तक देश की ढाई लाख ग्राम पंचायतों, 6 लाख गांवों तक पहुंचने का है।

मॉस्को से गोवा आ रहे विमान को बम की सूचना पर किया गया डायवर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रूस की राजधानी मॉस्को से गोवा आ रही एक चार्टर्ड फ्लाइट में बम की सूचना मिली है। विमान को इसके बाद उज्बेकिस्तान डायवर्ट किया गया। पुलिस के मुताबिक, विमान में 240 यात्री सवार हैं। बताया गया है कि यह फ्लाइट दक्षिण गोवा के दबोलिम एयरपोर्ट पर सुबह 4.15 बजे लैंड होने वाला था।

बताया गया है कि विमान में यात्रियों के अलावा सात क्रू के सदस्य भी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फ्लाइट यूएजेडवी 2463 जिसका संचालन अजुर एयर की तरफ से किया जाता है, उसे भारतीय हवाई क्षेत्र में पहुंचने से पहले ही डायवर्ट कर दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, दबोलिम एयरपोर्ट निदेशक को रात करीब 12.30 बजे एक ईमेल के जरिए इस फ्लाइट में बम रखे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद ही इसे डायवर्ट कराया गया।

बारिश से पारा घटा, कोहरा छंटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

घंटों देरी से उड़ रहीं कई फ्लाइट, यात्री परेशान

देश की राजधानी दिल्ली के कुछ इलाकों में शनिवार सुबह घना कोहरा देखने को मिला। घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी काफी कम रही। दिल्ली में कोहरे का असर उड़ानों पर पड़ा है। कई फ्लाइट देरी से चल रही हैं। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर यात्रियों को काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ा। घने कोहरे के चलते कई फ्लाइट के समय में देरी हुई। कई यात्रियों को एयरपोर्ट पर ही घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।

नई दिल्ली। दिली-एनसीआर में शुक्रवार को ठंड से राहत मिली। हालांकि, शनिवार सुबह से ही दिल्ल-एनसीआ में बादल छाए हुए हैं। वहीं शुक्रवार की शाम यूपी के राजधानी में ीभी कई जगहों पर बारिश हुई। वर्षा की वजह से कोहरे में कमी आई। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली व यूपी के अलग-अलग इलाकों में दिन भर बादल छाए रहेंगे। इस दौरान हल्की बारिश पड़ने की भी उम्मीद है। वहीं, मौसम विभाग ने रविवार को भी बारिश की संभावना जताई है।

वहीं, उत्तर प्रदेश में भी ठंड से राहत है। प्रदेश के कुछ जिलों में आज सुबह से कोहरा दिखाई दे रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, यूपी की राजधानी लखनऊ में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री और अधिकतम तापमान 23 डिग्री रह सकता है। इसके अलावा बिहार के ज्यादातर जिलों में शनिवार और रविवार को मौसम साफ रहेगा। हालांकि, शाम होते ही बिहार के कई जिलों में ठंड का असर दिखाई देगा।

उत्तराखंड के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी जारी है। जिसके कारण मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। बता दें कि उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग समेत 2500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी की संभावना जताई गई है। हिमाचल प्रदेश में अभी बर्फबारी का दौर जारी रहेगा।

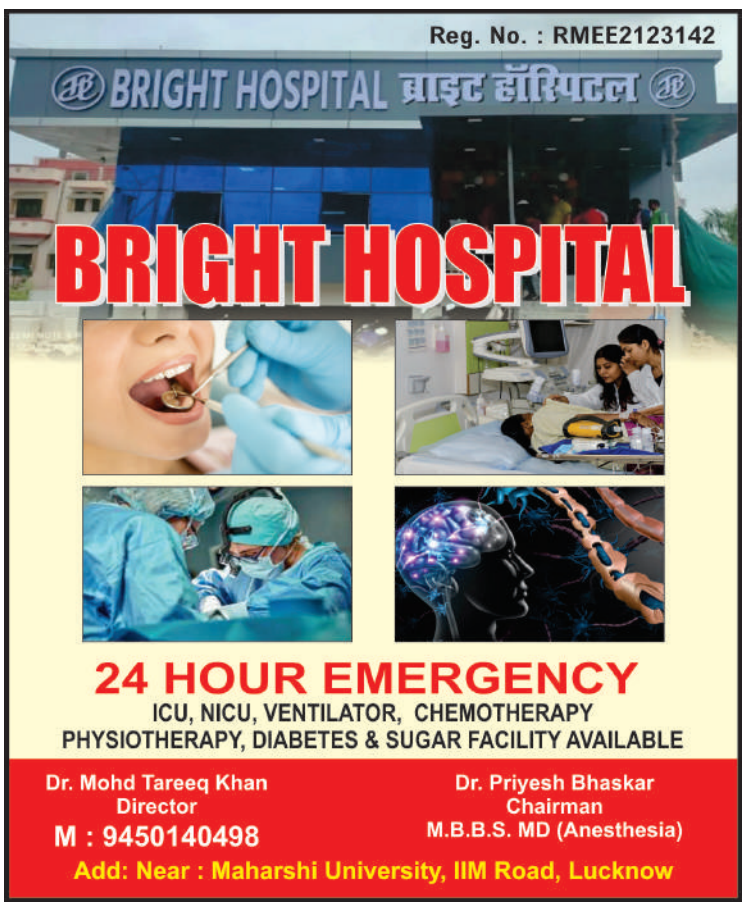

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।